

S.D.E.
M. A. (ECONOMICS) PART - I : WINTER - 2017

SUBJECT : PUBLIC ECONOMICS

Day : Wednesday
Date : 25/10/2017

Time : 3.00 P.M. TO 6.00 P.M.
Max. Marks : 80

W-2017-3951

N.B.:

- 1) All questions are **COMPULSORY**.
- 2) Figures to the right indicate **FULL** marks.
- 3) Answers to both the sections should be written in **SAME** answer book.

SECTION – I

- Q.1** Attempt **ANY TWO** of the following: [16]
- a) Explain the classical approach regarding the role of government in a market economy.
 - b) Describe the voluntary exchange model.
 - c) State wiseman peacock hypothesis.
 - d) 'Government as an agent for economic planning and development'. Discuss.
- Q.2** Write short notes on **ANY FOUR** of the following: [16]
- a) Provision of Public Goods
 - b) Structure of Public Expenditure
 - c) Zero Base Budgeting
 - d) Ability to Pay Approach
 - e) Excess Burdens of Taxes
 - f) Private Sector in Mixed Economy

SECTION – II

- Q.3** Attempt **ANY TWO** of the following: [16]
- a) What are the effects of public debt?
 - b) Explain the interdependence of fiscal and monetary policy.
 - c) What are the problems of state resources?
 - d) Describe the non-tax revenue of Central Government.
- Q.4** Attempt **ANY TWO** of the following: [16]
- a) Discuss the reforms in direct taxes.
 - b) What are the effects of deficit financing?
 - c) Explain the trends in public debt.
 - d) Explain the impact of resource mobilisation on growth.
- Q.5** Write short notes on **ANY FOUR** of the following: [16]
- a) Balance Budget Multiplier
 - b) Budgetary Deficit
 - c) Finance Commission
 - d) Revenue of State Governments
 - e) Fiscal Federalism in India
 - f) Taxes on Service

* * * *

मराठी रूपांतर

सूचना:

- १) सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.
- २) उजवीकडील अंक गुणांचा निर्देश करतात.
- ३) दोन्ही विभाग एकाच उत्तरपत्रिकेत लिहावेत.

विभाग - १

- प्र.१ खालीलपैकी कोणतेही दोन प्रश्न सोडवा. (१६)
- अ) बाजार अर्थव्यवस्थेत सरकारच्या भूमिकेसंबंधी सनातनवादी दृष्टिकोन स्पष्ट करा.
 - ब) स्वैच्छिक विनिमय प्रतिमानाचे वर्णन करा.
 - क) वाइजमन-पिकॉक परिकल्पना लिहा.
 - ड) 'सरकार हे आर्थिक नियोजन आणि विकासाचा प्रतिनिधी आहे' -चर्चा करा.
- प्र.२ खालीलपैकी कोणत्याही चारवर टीपा लिहा. (१६)
- अ) सार्वजनिक वस्तूंची तरतुद
 - ब) सार्वजनिक खर्चाची रचना
 - क) शून्याधारित अंदाजपत्रक
 - ड) करदेयक्षमता दृष्टिकोन
 - इ) कराचा अतिरिक्त भार
 - फ) मिश्र अर्थव्यवस्थेतील खासगी क्षेत्र

विभाग - २

- प्र.३ खालीलपैकी कोणतेही दोन प्रश्न सोडवा. (१६)
- अ) सार्वजनिक कर्जाचे परिणाम कोणते?
 - ब) राजकोषीय आणि मौद्रिक धोरणांतील परस्परावलंबित्व स्पष्ट करा.
 - क) राज्य स्रोतांच्या समस्या कोणत्या?
 - ड) केंद्र सरकारच्या करेतर उत्पन्नाचे वर्णन करा.
- प्र.४ खालीलपैकी कोणतेही दोन प्रश्न सोडवा. (१६)
- अ) प्रत्यक्ष करातील सुधारणांची चर्चा करा.
 - ब) तुटीच्या अर्थभरण्याचे परिणाम कोणते?
 - क) सार्वजनिक कर्जाची प्रवृत्ती स्पष्ट करा.
 - ड) संसाधनांच्या स्थलांतरणाचा वृद्धिवर होणारा परिणाम स्पष्ट करा.
- प्र.५ खालीलपैकी कोणत्याही चारवर टीपा लिहा. (१६)
- अ) संतुलीत अंदाजपत्रक गुणक
 - ब) अंदाजपत्रकीय तूट
 - क) वित्त आयोग
 - ड) राज्य सरकारांचा महसूल
 - इ) भारतातील राजकोषीय संधीयता
 - फ) सेवांवरील कर

* * * *

सूचनाएं:

- १) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- २) दाहिने दिए हुए अंक गुणोंका निर्देश करते हैं।
- ३) दोनों विभाग एकही उत्तरपत्रिका में लिखिए।

विभाग - १

- प्र.१ निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (१६)
- अ) बाजार अर्थव्यवस्था में सरकार की भूमिका का प्रतिष्ठित दृष्टिकोण समझाइए।
 - ब) स्वैच्छिक विनिमय मॉडल का वर्णन कीजिए।
 - क) वाइजमन-पिकॉक परिकल्पना समझाइए।
 - ड) 'सरकार यह एक आर्थिक आयोजन और विकास का प्रतिनिधि है' - चर्चा कीजिए।
- प्र.२ निम्नलिखित में से किन्हीं चारपर टिपणियाँ लिखिए। (१६)
- अ) सार्वजनिक वस्तुओं की अभिपूर्ति
 - ब) सार्वजनिक व्यय की संरचना
 - क) शून्य आधार बजट
 - ड) करदेय क्षमता दृष्टिकोण
 - इ) करों का अतिरिक्त भार
 - फ) मिश्र अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र

विभाग - २

- प्र.३ निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (१६)
- अ) सार्वजनिक ऋण के प्रभाव क्या हैं?
 - ब) राजकोषीय और मुद्रा नीति में परस्परअधीनता स्पष्ट कीजिए।
 - क) राज्य स्रोतों की समस्याएँ समझाइए।
 - ड) केंद्र सरकार के कर रहित आय का वर्णन कीजिए।
- प्र.४ निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (१६)
- अ) प्रत्यक्ष करों में सुधारणों की चर्चा कीजिए।
 - ब) घाटे की वित्तपूर्ति के प्रभाव क्या हैं?
 - क) सार्वजनिक ऋण की प्रवृत्ति स्पष्ट कीजिए।
 - ड) संसाधन हस्तांतरण के वृद्धिपर प्रभाव स्पष्ट कीजिए।
- प्र.५ निम्नलिखित में से किन्हीं चारपर टिपणियाँ लिखिए। (१६)
- अ) संतुलीत बजट गुणक
 - ब) बजटरी घाटा
 - क) वित्त आयोग
 - ड) राज्य सरकारों का राजस्व
 - इ) भारत में राजकोषीय संघीयता
 - फ) सेवा पर कर